पढ़–लिखकर आगे बढ़ें : दुलीचंद

संस, मतलौडा : सरस्वती कॉलेज ऑफ एजुकेशन में नए सत्र के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम कॉलेज प्राचार्य डॉ. सुशीला चौधरी ने विद्यार्थियों का परिचय लिया। कॉलेज संस्थापक दुलीचंद देसवाल ने शुभारंभ करते हुए कहा कि आज का दौर प्रतिस्पर्धा से भरा है। शिक्षित युवा ही उसमें आगे निकल सकता है। इसलिए मेहनत के साथ पढ़ लिखकर आगे बढ़े। क्योंकि मेहनत कभी बेकार नहीं जाती है। उन्होंने कॉलेज में अनुशासन, रैगिंग फ्री व्यवस्था, समय का पालन करते हुए उनके एक श्रेष्ठ शिक्षक के रूप में विकसित होने के लिए आवश्यक गुणों के बारे में चर्चा की।

जल संरक्षण के लिए किया जागरूक

मतलौडा। सरस्वती कॉलेज ऑफ एजुकेशन में कार्यक्रम स्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत जल संरक्षण व नो प्लास्टिक यूज पर लोगों को जागरूक करने के लिए कॉलेज के छात्र छात्राओं ने कॉलेज प्राचार्या प्रो. डॉ सुशीला चौधरी के मार्गदर्शन में मतलौडा शहर में रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ कॉलेज प्राचार्या प्रो. डॉ सुशीला चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली कॉलेज से शुरू होकर कस्बे के मुख्य मार्गों से होती हुई गुजरी। इस दौरान पानी बचाओ एवं नो प्लास्टिक यूज के नारे लिखे बैनरो के साथ नारे लगाते हुए विद्यार्थियों एवं कॉलेज स्टाफ ने लोगों को जल संरक्षण एवं प्लास्टिक के प्रयोग से होने वाले दुष्परिणामों के बारे जागरूक किया।

जल संरक्षण पर रैली निकाल किया जागरूक

संस, मतलौडा : सरस्वती कॉलेज ऑफ एजुकेशन में बृहस्पतिवार को स्वच्छता पखवाड़ा के तहत जल संरक्षण व नो प्लास्टिक यूज पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

छात्र छात्राओं ने कस्बे में रैली निकाल पानी बचाओ व नो प्लास्टिक यूज लिखे नारे वाले बैनर लेकर लोगों को प्लास्टिक प्रयोग के चलते होने नुकसान बताने के साथ जल संरक्षण का आह्वान किया। रैली को प्राचार्य डॉ. सुशीला चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्राचार्य ने कहा कि प्लास्टिक प्रयोग के बहुत सारे दुष्प्रभाव है।

ये जानते हुए भी हम उसका धड़ल्ले से प्रयोग कर रहे हैं। जबकि हमें उसके प्रयोग से परहेज करना चाहिए। उन्होंने जल संरक्षण पर कहा कि जल पर ही कल निर्भर है। कल को बचाना है तो जल को बेकार में बहाना बंद करना होगा। अन्यथा इसके भयंकर परिणाम होंगे। इस मौके पर स्टाफ भी मौजूद रहा।

सरस्वती कॉलेज में हुआ ओरिएंटेशन प्रोग्राम

मतलौडा। सरस्वती कॉलेज ऑफ एजूकेशन मतलौडा में विद्यार्थियों के नए सत्र के शुभारंभ पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के नवागंतुक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम कॉलेज प्राचार्या प्रो. डॉ सुशीला चौधरी छात्रों से रूबरू हुई । उन्होंने नए सत्र के शुभारंभ में नवागन्तुक विद्यार्थीयों का कॉलेज आगमन पर स्वागत किया तथा उन्हें कड़ी मेहनत से अपना लक्ष्य साधने की प्रेरणा दी। उन्होंने कॉलेज में अनुशासन, रैंगिग फ्री व्यवस्था, समय का पालन करते हुए उनके एक श्रेष्ठ शिक्षक के रूप में विकसित होने के लिए आवश्यक गुणों के बारे में चर्चा की। इसके पश्चात कॉलेज के सभी सहायक प्रोफेसर विद्यार्थियों से रूबरू हुए तथा बच्चों को मेहनत के बल पर सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज के पूर्व चैयरमेन जोगिंद्र देसवाल ने नये सत्र के शुभारंभ पर सभी नवागंतुक बच्चों एवं कॉलेज स्टॉफ को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर कॉलेज संस्थापक दूलीचंद देसवाल, सचिव सुरेश सांगवान और कॉलेज के सभी सहायक प्रोफेसर तथा सभी छात्र-छात्राएं मौजूद रही।

संविधान हमें कर्तव्यों और अधिकारों के बारे में देता है जानकारी

मतलौडा। भारतीय संविधान प्रशासनिक प्रावधानों का एक दस्तावेज है। जो सरकार की मूल सरंचना को निर्धारित करता है। प्रत्येक सरकार संविधान द्वारा तय की गई सीमाओं में रहकर काम करती है। संविधान हमें अपनी सीमाओं, कर्तव्यों व अधिकारों को बताता है। इसलिए हमने हर परिस्थिति में अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए संविधान की गरीमा को बनाए रखे और उनका सम्मान करना चाहिए। उक्त विचार स्थानीय सरस्वती कॉलेज ऑफ एजुकेशन में 70वें संविधान दिवस के उपलक्ष्य में हुए कार्यक्रम में कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. सुशीला चौधरी ने कहे। इस अवसर पर प्रो. रमेश चंद्र ने सभी छात्र छात्राओं व स्टाफ सदस्यों कोसंविधान का सम्मान करने कीशपथ दिलाई। इस अवसर पर कॉलेज संस्थापक दुलीचंद देशवाल, जोगेंद्र देशवाल व कॉलेज के सभी सहायक प्रोफेसर व छात्र छात्राएं मौजूद थी।

छात्राओं को संविधान की पालना करने की शपथ दिलातीं प्रिंसिपल।

सरस्वती कॉलेज में मनाई रंगोली दीप प्रतियोगिता

माई सिटी रिपोर्टर

मतलौडा। सरस्वती कॉलेज ऑफ एजुकेशन मतलौडा में दिवाली के अवसर पर रंगोली, दीप व कैंडल डेकोरेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के दौरान प्रिंसिपल डॉ. सुशीला चौधरी ने कहा कि यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत के उपरांत होने वाले उजाले का प्रतीक है।

उन्होंने पर्यावरण संबंधी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि दिवाली के पटाखों से होने वाले शोर और प्रदूषण के कारण वातावरण कई दिन तक परेशान करता है। इसलिए दीप जलाकर दिवाली मनाएं। इस दौरान हुई प्रतियोगिता में रंगोली, दीप व कैंडल डेकोरेशन द्वारा विद्यार्थियों ने अपने सृजनात्मक प्रतिभा का परिचय देते हुए अपनी कला को विभिन्न रंगों के माध्यम से उकेरा। निर्णायक मंडल में सहायक प्रोफेसर जयपाल सिंह और अशोक कुमार मौजूद थे।

रंगोली प्रतियोगिता में रूबी टीम प्रथम, स्नेहा व सुदेश टीम द्वितीय और सोनिया व रिंकू टीम को तृतीय स्थान मिला। कार्यक्रम के समापन पर कॉलेज चेयरमैन जोगेंद्र देशवाल और प्रिंसिपल डॉ. सुशीला चौधरी ने विद्यार्थियों को दीपावली की शुभकामनाएं दी।

सरस्वती कॉलेज ने चलाया पॉलिथीन मुक्त व स्वच्छता अभियान

मतलौडा, 2 अक्तूबर (लाभ सिंह) : सरस्वती कॉलेज ऑफ एजुकेशन मतलौडा में महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में 'स्वच्छता अभियान' व 'नो सिंगल यूज पोलोथिन' का कार्यक्रम आयोजन किया गया।

मतलौडा सरस्वती कॉलेज में गांधी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित करते हुए।

कार्यक्रम का शुभारम्भ कॉलेज प्राचार्या डॉ सुशीला चौधरी व स्टाफ ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके किया। प्राचार्या डॉ सुशीला चौधरी ने कहा कि आज सारी दुनिया सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाने वाले महात्मा गांधी जी की 150वीं जयंती मना रहे है। उन्होंने बिना हथियार उठाए भारत में तकरीबन 200 वर्षों से अपनी जड़ें जमाए निरंकुश और अन्यायी अंग्रेजी शासन का तख्त हिला कर रख दिया था। अहिंसा के बल पर बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है। इस अवसर पर सभी छात्र-छात्राओं और स्टॉफ ने मिलकर कॉलेज कैम्पस में सफाई अभियान चलाया।

कार्यक्रम के अन्त में कॉलेज के पूर्व चेयरमैन जोगेन्द्र सिंह ने संबोधन में उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी की जिंदगी तमाम मानवीय आदर्शों की प्रयोगशाला रही है। उन्होंने मानव जीवन के लिए सही माने जाने वाले तमाम आदर्शों का प्रयोग अपने जीवन में किया था।

सरस्वती कॉलेज ने चलाया पॉलिथीन मुक्त और स्वच्छता अभियान

मतलौडा। सरस्वती कॉलेज ऑफ एजुकेशन मतलौडा में महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में स्वच्छता अभियान व नो सिंगल यूज पोलोथिन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज प्राचार्या डॉ सुशीला चौधरी व स्टाफ ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके किया।

इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्या डॉ सुशीला चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि आज सारी दुनिया सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाने वाले महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती मना रहे है। उन्होंने बिना हथियार उठाए भारत में तकरीबन 200 वर्षों से अपनी जड़े जमाए निरंकुश और अन्यायी अंग्रेजी शासन का तख्त हिला कर रख दिया था। अहिंसा के बल पर बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है। महात्मा गांधी को विश्व पटल पर अहिंसा के प्रतीक के तौर पर जाना जाता है। जीवन पथ पर उन्होंने जो आदर्श और मूल्य स्थापित किए है। वह आज के दौर में सारी दुनिया के लिए अनुकरणीय है। उन्होंने स्वच्छता को भी जीवन का अहम् हिस्सा माना और कहा कि जहां साफ-सफाई रहती है वही ईश्वर का वास होता है। इस मौके पर उन्होने स्वच्छता व सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने के लिए शपथ दिलाई। इस अवसर पर सभी छात्र-छात्राओं और स्टॉफ ने मिलकर कॉलेज कैंपस में सफाई अभियान चलाया। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज के पूर्व चेयरमैन जोगेंद्र सिहं ने संबोधन में उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी की जिंदगी तमाम मानवीय आर्दशों की प्रयोगशाला रही है। उन्होंने मानव जीवन के लिए सही माने जाने वाले तमाम आर्दशों का प्रयोग अपने जीवन में किया था।